अधूरे कार्य में ही कर दिया 6.89 करोड़ का भुगतान

छिंदगांव लघु सिंचाई परियोजना : तीन अधिकारियों को नोटिस, दस अप्रैल तक मांगा जवाब

डिंडोरी, देशबन्धु। चौरा छिंदगांव में लगभग 10 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति से लघु सिंचाई परियोजना से किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के नाम से लघु सिंचाई परियोजना में काम किया जा रहा है। इस विषय में समस्त जानकारी बारीकी से ली गई जानकारी यह लगी कि उक्त कार्य में भारी अनियमिताएं की जा रही हैं।

इस मामले को लेकर देशबन्धु अखबार के जिला ब्यूरो आरके नागेश्वर ने आरटीआई के तहत जानकारी प्राप्त करने के लिए आवेदन किया और सबसे पहले यह उजागर हुआ कि उक्त कार्य में भारी अनियमिताएं की जा रही हैं। उक्त निर्माण कार्य डूब क्षेत्र में किया जा रहा है, जिसे लेकर देशबन्धु अखबार ने प्रमुखता से प्रकाशित किया। कार्य पूरा होने से पहले ही 6.89 करोड़ रुपए की सरकारी राशि उड़ा दी गई। इस गंभीर अनियमितता पर कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने जल संसाधन विभाग के तीन वरिष्ठ अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर कड़ा संदेश दिया है कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संयुक्त जांच समिति की रिपोर्ट ने खोली पोल- न तो काम पूरा हुआ, न गुणवत्ता का ध्यान रखा गया। लाखों का भुगतान कर ठेकेदारों को

जल संसाधन विभाग की लापरवाही पर कलेक्टर सख्त

चार अधिकारियों को दिया कारण बताओ नोटिस

डिंडोरी, देशबन्धु। जिला प्रशासन शासकीय कार्यों में लापरवाही एवं अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना ड़ी कार्रवाई करते हुए जल संसाधन के चार अधिकारियों को कारण नोटिस जारी किया गया है। प्राप्त ारी के अनुसार, विकासखंड बजाग ल संसाधन विभाग के कार्यालय लन एवं अधिकारियों/कर्मचारियों ख्यालय में उपस्थिति को लेकर पूर्व ष्ट निर्देश जारी किए गए थे। लयीन पत्र के माध्यम से निर्देशित गया था कि 1 अप्रैल से विभागीय लय निर्धारित स्थान पर संचालित जाए तथा सभी अधिकारी-ारी मुख्यालय में उपस्थित रहकर करें। इसके बावजूद संबंधित कारियों द्वारा न तो निर्देशों का पालन गया और न ही कोई पालन

प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। तहसीलदार बजाग द्वारा 2 अप्रैल को भेजी गई रिपोर्ट में भी निरीक्षण के दौरान कार्यालय में कोई अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित नहीं पाया गया।

इस गंभीर लापरवाही को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर द्वारा कार्यपालन यंत्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी राजकुमार अहिरवार, उपयंत्री सत्य कुमार गौतम एवं प्रिन्स जैन को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। नोटिस में उल्लेख किया गया है कि उक्त

कृत्य मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आ नियम 1965 के नियम 3 क उल्लंघन है। साथ ही मध्यप्रदेश सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अ नियम 1966 के तहत अनुशास कार्यवाही प्रस्तावित की गई है।

संबंधित अधिकारियों को नि किया गया है कि वे नोटिस प्राप्ति दिन के भीतर अपना स्पष्टीकरण करें, अन्यथा उनके विरुद्ध एक कार्रवाई की जाएगी। इसके अ कोषालय अधिकारी, डिंडोरी को दिए गए हैं कि संबंधित अधिकारि माह अप्रैल का वेतन सक्षम अनु बिना आहरित न किया जाए। श्रीमती भदौरिया ने स्पष्ट किया शासन के निर्देशों की अवहेलना कार्य में लापरवाही किसी भी सि बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

देशबन्धु खबर का असर

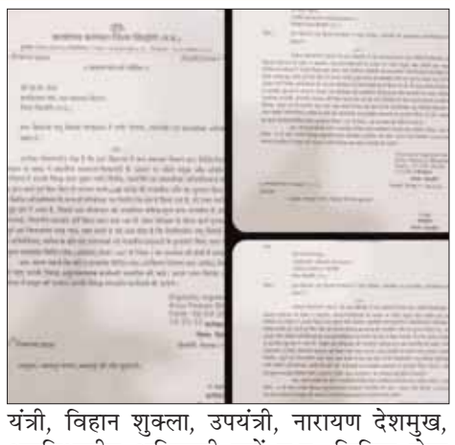

फायदा पहुंचाया गया, जबकि परियोजना उच्च स्तरीय योजनाओं के डूब क्षेत्र में खड़ी हो गई। स्थल निरीक्षण में अधूरा, घटिया निर्माण और बिना विभागीय स्वीकृति के काम सामने आए।

दोषी पाए गए - एसके शर्मा, कार्यपालन यंत्री, विहान शुक्ला, उपयंत्री, नारायण देशमुख, अनुविभागीय अधिकारी इन्हें म.प्र. सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के उल्लंघन का दोषी ठहराते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव दिया गया है।

कलेक्टर ने अधिकारियों से 10 अप्रैल तक जवाब मांगा विलंब पर एकपक्षीय कार्रवाई के निर्देशे दिए हैं। कलेक्टर ने चेतावनी दी कि शासन की योजनाओं में लापरवाही की गुंजाइश नहीं।

लगातार हो रहीं चोरी की वारदातों का पर्दाफाश बाइक, जेवर जब्त, गैंग में नाबालिग भी शामिल

डिंडोरी, देशबन्धु। कोतवाली पुलिस ने थाना अंतर्गत अलग अलग स्थानों से चोरी की गई पांच बाइक समेत सोना चांदी के जेवरात का बुधवार को पर्दाफाश कर दिया। पुलिस ने दो आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित में एक नाबालिग बताया गया है। आरोपित बाइक व जेवर बेचने की फिराक में थे इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने संबंधित को पकड़कर पूछताछ की, जिसने चोरी की घटनाओं को नाबालिग के साथ मिलकर अंजाम देना स्वीकार किया।

कोतवाली प्रभारी दुर्गा प्रसाद नगपुरे ने बताया कि थाना स्तर पर गठित टीम द्वारा विगत कुछ माह में अलग- अलग स्थानो में हुई चोरी के मामलों मे कार्यवाही करते हुये आरोपित इरफान खान पिता गुलमोहन खान उम्र 19 साल निवासी ग्राम मुडकी एक बाल अपचारी के कब्जे से चोरी की गई पांच मोटर साइकिल एमपी 52 एमसी 9874, एमपी 20 एमई 8563, एमपी 52 एमडी 6640, एमपी 52 एमडी 6132 सहित एक अन्य बाइक और सोने चांदी के जेवर दो सोने के पेंडल, एक सोने की लोंग, चांदी की हाथो छलबल चांदी, चांदी की मोटी पायल बरामद की गई है।

चोरी कर बदल दिया बाइक का रंग बताया गया कि आरोपितो द्वारा विगत कुछ माह से लगातार देहात क्षेत्रो मे बाहर खड़े वाहनो को निशाना बनाया जाकर उन्हे चोरी किया जाता था। आरोपित चोरी करने के बाद वाहनो का रंग बदलकर और जेवर बेचने की फिराक में थे। तभी कोतवाली डिण्डौरी पुलिस द्वारा आरोपीगण को गिरफ्तार उनके कब्जे से चोरी गया मशरूका जब?त किया गया है।

जब्त चार बाइक थाना कोतवाली क्षेत्रांतर्गत हुई चोरी से संबंधित और अन्य एक मोटरसाइकिल के मालिक की तलाश की जा रही है।

सार-समाचार

बालिका ने फांसी लगाकर की आत्महत्या की कोशिश

हटा, दमोह, देशबन्धु । मडियादो थाना क्षेत्र के एक गांव में 18 वर्षीय बालिका द्वारा आत्महत्या के प्रयास का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, सुनीता आदिवासी (परिवर्तित नाम) ने अज्ञात कारणों के चलते अपने घर में फांसी लगाकर जान देने की कोशिश की। बताया जा रहा है कि घटना के दौरान परिजनों की नजर पड़ते ही उन्होंने तत्काल बालिका को फंदे से उतार लिया और बिना देर किए इलाज के लिए सिविल अस्पताल हटा लेकर पहुंचे। सिविल अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर आर.पी. कोरी ने प्राथमिक उपचार किया। बालिका की गंभीर स्थिति को देखते हुए बुधवार दोपहर करीब 2 बजे उसे बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल दमोह रेफर कर दिया गया। फिलहाल आत्महत्या के प्रयास के पीछे के कारणों का पता नहीं चल सका है। मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है और जांच जारी है।

एचपीबी टीकाकरण को लेकर आयोजित बैठक, मेगा शिविर की तिथियां घोषित

तेंदूखेड़ा, देशबन्धु। सबडिवीजन में एचपीबी टीकाकरण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालित करने के उद्देश्य से एक

महत्वपूर्ण बैठक का नगर मै आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम सी. जी. गोस्वामी द्वारा की गई, जिसमें विकासखंड के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे। बैठक में एसडीएम ने जानकारी देते हुए बताया कि विकासखंड स्तर पर एचपीबी टीकाकरण हेतु मेगा शिविरों का आयोजन आगामी 11 अप्रैल, 15 अप्रैल, 21 अप्रैल एवं 27 अप्रैल 2026 को किया जाएगा। प्रत्येक शिविर में लगभग 500 बच्चों के टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने सभी विद्यालय प्रमुखों से अपील की कि वे अपने-अपने संस्थानों में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को जागरूक करते हुए अधिक से अधिक बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित करें। इस अवसर पर सीबीएमओ अशोकबरोनिया द्वारा एचपीबी टीकाकरण के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि यह टीकाकरण बच्चों को गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करता है तथा भविष्य में स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों को कम करने में सहायक है। साथ ही उन्होंने बच्चों को प्रेरित करने एवं अभिभावकों में जागरूकता बढ़ाने के विभिन्न उपाय भी साझा किए। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारीपूजा गौड बीईओ नीतेश पान्डे ,सहित अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर इस अभियान को सफल बनाने हेतु समन्वित प्रयास करने पर जोर दिया। अंत में एसडीएम ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि वे निर्धारित तिथियों पर मेगा शिविरों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, ताकि लक्ष्य के अनुरूप अधिक से अधिक बच्चों का टीकाकरण किया जा सके।

सोशल मीडिया पर फोटो अपलोड कर नाबालिग को ब्लैकमेल करने वाला आरोपी गिरफ्तार

हटा, देशबन्धु। सोशल मीडिया के जरिए नाबालिग को ब्लैकमेल करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हटा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी पिछले एक वर्ष से नाबालिग युवती के संपर्क में था और सोशल मीडिया के माध्यम से उससे दोस्ती कर विश्वास में लिया। इसके बाद आरोपी ने फोन कॉल और वीडियो कॉल के जरिए युवती के आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बना लिए। बाद में इन्हीं फोटो-वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर वह लगातार युवती को ब्लैकमेल कर रहा था। पूरे मामले में जिला पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत भदौरिया के निर्देशन तथा एसडीओपी सौरभ त्रिपाठी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सुधीर कुमार बेगी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। शिकायत मिलते ही पुलिस ने आईटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपी की तलाश में टीम को सक्रिय किया।जांच के दौरान पुलिस ने घेराबंदी कर अभय पिता दिवाकर पांडे (21 वर्ष), निवासी निगुआ थाना माड़ा, जिला सिंगरौली को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।सोशल मीडिया उपयोग में सावधानी की अपील मामले का खुलासा करते हुए थाना प्रभारी ने लोगों से सोशल मीडिया के उपयोग में सतर्क रहने की अपील की है। इस कार्रवाई में सहायक उपनिरीक्षक अरविंद राय, प्रधान आरक्षक अनिल गौतम, कमल ठाकुर तथा आरक्षक संजय, पवन पटेल सहित साइबर सेल दमोह की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ट्रैफिक व्यवस्था ध्वस्त, सड़कों पर अतिक्रमण और बेतरतीब पार्किंग से लोग हो रहे परेशान

हटा, दमोह, देशबन्धु । नगर में ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई नजर आ रही है। नगर के लगभग सभी मुख्य मार्गों और चौराहों पर अतिक्रमण और बेतरतीब पार्किंग के कारण आम लोगों का पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है।

बस स्टैंड से लेकर दुर्गा नेमा होटल, थाना मंदिर चौराहा, राय चौराहा, चंडी जी चौराहा और खचना नाका तक हर जगह एक जैसी स्थिति बनी हुई है।बाजार से बज़रिया रोड अब केवल पैदल और दुपहिया बाहनो के लिए उपयोग की जाती है सभी मार्गो पर सड़कों के दोनों ओर दुकानों का फैलाव और ग्राहकों द्वारा बीच सड़क पर खड़ी की जा रही मोटरसाइकिलें रास्ता अवरुद्ध कर रही हैं। इसके अलावा जगह-जगह लगे हाथ ठेले भी ट्रैफिक व्यवस्था को और बिगाड़ रहे हैं।

स्थिति यह है कि लोगों को कुछ ही दूरी तय करने में भी भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। खासकर शुक्रवार के हाट बाजार के दिन हालात और भी बदतर हो जाते

मुख्य चौराहों के बुरे हाल, पैदल चलना भी मुश्किल, मूकदर्शक बना प्रशासन

हैं। तहसीलदार बंगले के सामने लगने वाले हाट बाजार में आने वाले वाहनों को मुख्य मार्ग दमोह-पन्ना रोड पर ही खड़ा कर दिया जाता है, जिससे जाम की स्थिति बन जाती है और राहगीरों को 'राम-राम' करते हुए निकलना पड़ता है।

कुछ समय पहले नगर निरीक्षक सुधीर बेंगी के थाना प्रभारी के रूप में पदस्थ होने के बाद पुलिस की सक्रियता से बस स्टैंड क्षेत्र में पटेरिया कॉम्प्लेक्स के आसपास वाहनों की व्यवस्था सुधरी थी, लेकिन जैसे ही सख्ती कम हुई, फिर से अराजकता का माहौल बन गया।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते अतिक्रमण हटाने और ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दिनों में स्थिति और भी विकराल हो सकती है। लोगों ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि नगरवासियों को राहत मिल सके।

सिविल अस्पताल परिसर में गंदगी और जलभराव से मच्छरों का बढ़ा प्रकोप, मरीज-स्टाफ परेशान

सफाई कर्मियों की कमी बनी बड़ी वजह

हटा, देशबन्धु । एक ओर देशभर में स्वच्छता को लेकर बड़े स्तर पर अभियान चलाए जा रहे हैं, वहीं हटा के सिविल अस्पताल में इसके विपरीत हालात सामने आ रहे हैं। अस्पताल के अंदरूनी परिसर में जलभराव होने से गंदगी फैल गई है और मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ गया है, जिससे मरीजों, उनके परिजनों और अस्पताल स्टाफ को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

अस्पताल परिसर में जमा पानी लंबे समय से नहीं निकाले जाने के कारण जगह-जगह कीचड़ और दुर्गंध फैल रही है। इलाज कराने आने वाले मरीजों को बैठने और आने-जाने में असुविधा हो रही है। वहीं मच्छरों की बढ़ती संख्या से डेंगू, मलेरिया जैसे संक्रमण फैलने का खतरा भी बढ़ गया है।

स्थिति इसलिए और चिंताजनक है क्योंकि इसी परिसर में पैथोलॉजी केंद्र भी संचालित है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग जांच कराने पहुंचते हैं। ऐसे में गंदगी और मच्छरों के बीच मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा

है, जिससे स्वास्थ्य सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि सफाई कर्मियों की कमी के कारण नियमित साफ-सफाई बनाए रखना चुनौती बना हुआ है। स्टाफ की कमी के चलते जलनिकासी और परिसर की सफाई समय पर नहीं हो पा रही है, जिससे स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

स्थानीय लोगों और मरीजों ने प्रशासन से जल्द जलभराव की समस्या दूर करने, पर्याप्त सफाई कर्मियों की नियुक्ति करने और अस्पताल परिसर में नियमित सफाई सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि मरीजों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सके।

जलसंकट से परेशान लोगों ने ओवरब्रिज पर लगाया जाम

दमोह से छतरपुर, हटा, पन्ना मार्ग एक घंटे रहा प्रभावित

दमोह, देशबन्धु । दमोह के नया बाजार चार में जलसंकट से परेशान वार्डवासियों ने बुधवार दोपहर पथरिया फाटक ओवरब्रिज पर जाम लगा दिया। पर्याप्त पानी की आपूर्ति न होने के कारण यह प्रदर्शन किया गया, जिससे दमोह से छतरपुर, हटा और पन्ना जाने वाला मार्ग करीब एक घंटे तक प्रभावित रहा ।

करीब 25 घरों में नहीं आ रहा पानी वार्डवासियों का आरोप है कि करीब 25 घरों में पानी नहीं आ रहा है। उनका कहना है कि वे लगातार अधिकारियों को अपनी समस्या बता रहे हैं, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिसके कारण उन्हें मजबूरन जाम लगाना पड़ा। खाली डब्बा लेकर

ओवरब्रिज पर जाम लगाकर विरोध करते वार्डवासी। महिला सुखबाई ने बताया कि उनके घर तक पानी नहीं आता और उन्हें गर्मियों में काफी दूर से पानी भरकर लाना पड़ता है। एक अन्य महिला शांतिबाई ने कहा कि अधिकारी जल संकट को दूर करने के लिए कोई प्रयास नहीं कर रहे हैं, जबकि वे लगातार अपनी समस्या अधिकारियों को सुना रही हैं।

तीन एंबुलेंस भी ओवरब्रिज पर फंसी - पानी के किलल्त के बीच ग्रामीणों ने जाम लगाया है। जाम के कारण तीन एंबुलेंस भी ओवरब्रिज पर फंस गईं। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस और नगर पालिका सीएमओ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने लोगों से एंबुलेंस को रास्ता देने का आग्रह किया, जिसके बाद उन्हें निकाला जा सका। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाकर जाम खुलवाया, जिससे यातायात सामान्य हो सका।

सुनार नदी किनारे ट्रैक्टर के नीचे मिला शव

दमोह, देशबन्धु । दमोह देहात थाना क्षेत्र की नरसिंहगढ़ चौकी अंतर्गत सुनार नदी किनारे मंगलवार सुबह एक युवक का शव ट्रैक्टर के नीचे पत्थरों के बीच दबा हुआ मिला। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकाला।मृतक की पहचान हिनौता थाना बटियागढ़ निवासी 35 संतोष पटेल (35) पुत्र पूरन पटेल के रूप में हुई है।

स्थानीय ग्रामीण धनीराम पटेल ने बताया कि मंगलवार सुबह संतोष पटेल का शव सुनार नदी के किनारे ट्रैक्टर के नीचे दबा मिला। सूचना मिलते ही वे अन्य ग्रामीणों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और नरसिंहगढ़ चौकी पुलिस को सूचित किया। मृतक के चचेरे भाई बृजेश पटेल ने बताया कि संतोष पटेल ने दस दिन पहले ही नया ट्रैक्टर खरीदा था। उन्हें यह जानकारी नहीं है कि ट्रैक्टर नदी में कैसे पहुंचा। बृजेश ने आशंका जताई कि ट्रैक्टर से गिरने के कारण संतोष के सिर में चोट लगी होगी, जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई।नरसिंहगढ़ चौकी पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचित किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट हो पाएगा।पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जिस प्रकार से यह हादसा हुआ है, उसमें यह भी आशंका जताई जा रही है कि चालक नशे में हो सकता है।

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में दिखी दुनिया की सबसे छोटी जंगली बिल्ली 'रस्टी स्पॉटेड कैट'

तेंदूखेड़ा, देशबन्धु। वीरांगना रानी दुर्गावती (नौरादेही) टाइगर रिजर्व से रोमांचित करने वाली तस्वीर सामने आई हैं. प्रबंधन ने ये तस्वीर जारी करते हुए कहा है कि नौरादेही टाइगर रिजर्व में पहली बार दुनिया की सबसे छोटी जंगली बिल्ली की प्रजाति 'रस्टी स्पॉटेड कैट' कैमरे में कैद हुई है. यह जैव विविधता के मामले में नौरादेही टाइगर रिजर्व के लिए एक अहम उपलब्धि मानी जा रही है. साथ ही प्रबंधन ने दावा किया है कि चीतों के आने के बाद नौरादेही सिर्फ भारत ही नहीं दुनिया का ऐसा वन क्षेत्र होगा, जहां सबसे बड़ी बिल्ली बाघ, सबसे तेज बिल्ली चीता और सबसे छोटी बिल्ली रस्टी स्पॉटेड कैट एक साथ देखी जा सकेगी ।

डोंगरगांव रेंज में 2 साल पहले कैमरा ट्रैप सर्वे में आई सामने - टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा जारी की गई तस्वीरों के बारे में बताया गया है कि ये तस्वीर फरवरी-मार्च 2024 के बीच वन विभाग और डब्ल्यू डब्ल्यू आई इंडिया द्वारा सालाना बाघ निगरानी अभियान के तहत किए गए कैमरा ट्रैप सर्वे के दौरान कैद हुई थी यह तस्वीर

डोंगरगांव रेंज में बाघों की गणना के लिए लगाए गए कैमरे में कैद हुई विलुप्त जीवों की श्रेणी में शामिल बिल्ली इसे बाघ की तरह संरक्षण प्राप्त

टाइगर रिजर्व की डोंगरगांव रेंज में ली गई थी. रस्टी स्पॉटेड कैट को आईयूसीएन की रेड लिस्ट में संकट के करीब श्रेणी में रखा गया है. भारत में इसे वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची -1 के तहत सुरक्षा प्राप्त है ।

कहां पाई जाती है बिल्ली - रस्टी स्पॉटेड कैट प्रजाति आमतौर पर सूखे पर्णपाती वनों, झाड़ियां वाले इलाकों, घास के मैदानों और पथरीले इलाकों में पाई जाती है कभी-कभी ये इंसानी बस्तियों के नजदीक भी नजर आती है । नौरादेही टाइगर रिजर्व में इस प्रजाति की उपस्थिति की पुष्टि इन तस्वीरों के जरिए पहली बार हुई है. यह टाइगर रिजर्व के पारिस्थितिकी महत्व को उजागर करता है. ये दर्शाता है कि यहां छोटी बिल्लियों के लिए उपयुक्त आवास मौजूद है. शोधकर्ताओं ने इस क्षेत्र में रस्टी स्पॉटेड कैट के व्यवहार, वितरण और संरक्षण की स्थितियों को बेहतर ढंग से समझने के लिए अध्ययन की सलाह दी है ।

प्रदेश का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व - 2 हजार 339 वर्ग किलोमीटर में फैला वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व दमोह सागर और नरसिंहपुर जिलों में स्थित है अपनी समृद्ध जैव विविधता के लिए जाना जाता है। यहां बाघ, तेंदुए, भालू, भेड़िए और दुर्लभप्रजाति के गिद्ध हैं। चीतों को लाने की तैयारी चल रही है।दुर्लभ जंगली बिल्ली की मौजूदगी से यह भी संकेत मिल रहे हैं कि टाइगर रिजर्व का यह क्षेत्र छोटी जंगली बिल्ली प्रजातियों के लिए भी उपयुक्त आवास प्रदान करता है। वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट एसके मलिक ने इस प्रजाति के व्यवहार, वितरण और संरक्षण की स्थिति को बेहतर समझने के लिए आगे और अध्ययन की आवश्यकता बताई है ।

वजन: 0.9 से 1.6 किग्रा, आकार: हथेली पर समा जाए - रस्टी स्पॉटेड कैट इतनी छोटी होती है कि यह आपकी हथेली पर आसानी से समा सकती है एक पूर्ण वयस्क का वजन महज 0.9 से 1.6 किग्रा के बीच होता है। इसके शरीर पर जंग के रंग जैसे भूरे धब्बे होते हैं। जिसके कारण इसका नाम 'रस्टी स्पॉटेड' पड़ा। इसकी खाल का रंग भूरा-मटमैला होता है आकार छोटा होने के बावजूद यह बेहद आक्रामक शिकारी है। यह मुख्य रूप से छोटे रोडेंट्स (चूहे), पक्षी और छिपकलियों का शिकार करती है यह निशाचर होती है, इसलिए इसे दिन के उजाले में देख पाना लगभग असंभव है। टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश सिंह ने बताया कि इस नन्हीं बिल्ली को वही कानूनी सुरक्षा प्राप्त है जो जंगल के राजा बाघ को मिलती है।

इसका वैज्ञानिक नाम Prionailurus rubiginosus है। दुर्लभ बिल्ली की उपस्थिति टाइगर रिजर्व में वन्य जीवों के लिए एक आदर्श और अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र को दर्शाती है ।

सबसे छोटी, बड़ी और तेज बिल्ली देखी जा सकती है एक साथ -टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश कुमार सिंह ने बताया रस्टी स्पॉटेड कैट की मौजूदगी नौरादेही टाइगर रिजर्व को एक ऐसे वन्य जीव आवास के रूप में परिभाषित करती है, जो न सिर्फ बाघों का घर है बल्कि कई अन्य दुर्लभ बने प्रजातियों का आश्रय स्थल है. इस साल चीता की आमद के बाद नौरादेही भारत का ही नहीं, बल्कि दुनिया का एक ऐसा अकेला टाइगर रिजर्व बन जाएगा, जिसमें दुनिया की सबसे बड़ी बिल्ली बाघ, सबसे तेज बिल्ली चीता और सबसे छोटी बिल्ली रस्टी स्पॉटेड कैट एक साथ देखी जा सकेगी ।